प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

नाहेप के अन्तर्गत सॉफ्ट स्किल्स पर कार्यशाला

पंतनगर। 02 मार्च 2020। पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी, हैदराबाद के साथ आईडीपी एवं नाहेप के सहयोग से पंतनगर विश्वविद्यालय में कृषि-स्नातकों के बीच 'उद्यमिता के लिए सॉफ्ट स्किल्स के विकास' विषय पर एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन यूनिवर्सिटी सेंटर में किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, डा. एस.के. कश्यप, के साथ प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, उद्यान विज्ञान विभाग, डा. रंजन श्रीवास्तव; कनिष्ट शोध अधिकारी, उद्यान विज्ञान विभाग, बागवानी विभाग, डा. सतीश चंद, और नोडल अधिकारी, अकादमिक, आईडीपी एवं नाहेप, डा. एस के गुरु, उपस्थित थे।

डा. एस.के. कश्यप ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य उद्योग की आवश्यकता के अनुसार विद्यार्थियों की सॉफ्ट स्किल्स क्षमता विकसित करना था। डा. कश्यप ने कहा कि तकनीकी कौशल के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स के महत्व को समझना हम सबके लिए महत्वपूर्ण है और हमें इस दिशा में निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता है। डा. कश्यप ने कार्यशाला के दौरान, प्रतिभागियों को संचार के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया।

डा. गुरु ने कहा कि आईडीपी एक ऐसा मंच है जो कक्षाओं से परे विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिए काम करता है। डा. रंजन ने सॉफ्ट स्किल्स की रूपरेखा के बारे में बताया, जिन्हें प्रतिभागियों को स्वयं विकसित करने के लिए प्रयास करना चाहिए।

आईआईएम-इंदौर की फेलो सुश्री श्वेता गुप्ता ने उद्योग की आवश्यकता के अनुसार अपने लेखन कौशल को समृद्ध करने के लिए रेखाचित्र विकसित करने की शैली के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर गदरपुर के कृषि उद्यमी, श्री गुरप्रीत सिंह के साथ अन्य कृषि उद्यमियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यशाला का समापन अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर अध्ययन, डा. के पी रावेरकर की उपस्थिति में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण के साथ किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न महाविद्यालयों के 76 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को संबोधित करते उद्यान विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रंजन श्रीवास्तव